

26/10/2020

2017/0041

पत्रावली देवा हुई। अखिल वक्ता पत्रावली एवं  
 प्रार्थी ने दिनांक 22/10/2020 को प्रार्थना पत्र  
 प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्रार्थी नवीन  
 तारों के प्रकाश में नवीन प्रार्थना पत्र  
 करना चाहता है, इस प्रार्थी को पुनः प्रार्थना  
 पत्र प्रस्तुत करने के अधिकार के साथ प्रार्थना  
 पत्र विद्वां किन्ना जहाँ ही राजाजत दिये जाते  
 का आदेश का माँव। हमने पत्रावली का इन्तजाम  
 कर प्रार्थना पत्र का अन्वयण कर  
 गहनता से मंगन किया। प्रार्थी का प्रार्थना  
 पत्र स्वीकार योग्य पाया जाते है स्वीकार  
 किया जाता है एवं प्रार्थी का नवीन प्रार्थना  
 पत्र प्रस्तुत करने का अधिकार सुरक्षित करते  
 हुए प्रार्थना पत्र विद्वां किन्ना के आदेश  
 दिए जाते हैं। प्रार्थना में पूर्व में जारी कठोर  
 आश्चर्या निवेदाजों को प्राप्त की जाती है।  
 प्रार्थी का प्रार्थना पत्र विद्वां में खारीज किया  
 जाता है। पत्रावली का जल शुमार होकर गन्ना ल  
 कम है।

(श्याम सुन्दर विश्‍नोई)  
 सहायक कलेक्टर एवं  
 उपखण्ड अधिकारी  
 चित्तौड़गढ़ (राज.)

